SHRI STEPHEN KNAPP

Shri Stephen Knapp is an American author, researcher, and speaker deeply dedicated to understanding and promoting Indian traditions, particularly Sanatana Dharma (Hinduism). He has been a bridge between the East and West, helping millions understand the profound spiritual depth of India. His writings, lectures, and service to humanity have made him an important global ambassador for Indian culture.

2. Born on 29th September, 1950, Shri Knapp also known by his spiritual name of Shri Nandanandana Dasa after being initiated by Srila A. C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada. He is presently the Chairman of the Board at the Detroit Iskcon Krishna temple and has spent over 50 years managing various Krishna temples. He is also the founding president for 15 years and presently Co-Chairman of the Vedic Friends Association, an organization that networks with other writers, scholars and teachers of Vedic culture with students from around the world. He is also the founder of the World Relief Network, a publishing company that helps distribute books and media that explains Vedic spirituality globally.

3. Shri Knapp's contributions to Indian culture include the writing of hundreds of articles and 55 books so far on Indian spirituality, Vedic traditions, and philosophy, such as “The Secret Teachings of the Vedas”, “Proof of Vedic Culture's Global Existence”, “The Heart of Hinduism,” “Advancements of Ancient India's Vedic Culture,” “Crimes Against India,” and many others. These books provide insights into Indian culture and history and offer a spiritual roadmap for seekers worldwide. He has explained ancient Indian scriptures such as the Bhagavad Gita, Srimad-Bhagavatam, and the Upanishads, making them accessible to international audiences. Through his lectures and writings, Stephen Knapp has been an advocate of Indian spirituality and has tirelessly worked to dispel misconceptions about Indian Vedic culture and promote its universal appeal, and to show how to apply the Dharmic traditions to uplift people everywhere.

4. Shri Knapp is a supporter for the preservation and respect of Indian temples and heritage sites, both in India and abroad. His campaigns for protecting these treasures from neglect encourages people worldwide to visit and appreciate India's architectural and spiritual marvels. After two dozen trips through India, he has visited every state in the country except Meghalaya, Tripura and Mizoram, and acquired a collection of over 18,000 slides of India's holy places and festivals. He has also brought global attention to the richness of Indian spirituality, art, and heritage. These efforts have boosted cultural tourism, contributing to India's global image as a spiritual hub. His efforts have fostered greater understanding between India and the rest of the world. His teachings have inspired young Indians and foreigners alike to delve deeper into the roots of Sanatana Dharma, helping create a revival of interest in Hinduism and yoga.

5. Shri Knapp contribution to Indian culture is a testament to his unwavering devotion and commitment to spiritual enlightenment and cultural preservation. He recently won an award from the Hindu Mandir Empowerment Council (HMEC), and from the Vishva Hindu Parishad of America for a lifetime of contributions to the Hindu community.

श्री स्टीफन नैप

श्री स्टीफन नैप एक अमेरिकी लेखक, शोधकर्ता और वक्ता हैं जो भारतीय परंपराओं, विशेष रूप से सनातन धर्म (हिंदू धर्म) को समझने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। वह पूर्व और पश्चिम के बीच एक सेतु रहे हैं, जिन्होंने लाखों लोगों को भारत की गहन आध्यात्मिक गहराई को समझने में मदद की है। उनके लेखन, व्याख्यान और मानवता की सेवा ने उन्हें भारतीय संस्कृति के लिए एक महत्वपूर्ण वैश्विक राजदूत बना दिया है।

2. 29 सितंबर, 1950 को जन्मे, श्री नैप को श्रीला ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद द्वारा दीक्षा दिए जाने के बाद उनके आध्यात्मिक नाम श्री नन्दनन्दन दास से भी जाना जाता है। वह वर्तमान में डेट्रायट इस्कॉन कृष्ण मंदिर बोर्ड के अध्यक्ष हैं और उन्होंने विभिन्न कृष्ण मंदिरों के प्रबंधन में 50 से अधिक वर्ष बिताए हैं। वह 15 वर्षों तक वैदिक मित्र संघ, संस्थापक अध्यक्ष भी रहे और वर्तमान में इसके सह–अध्यक्ष हैं। वैदिक मित्र संघ एक ऐसा संगठन है जो दुनिया भर के छात्रों के साथ वैदिक संस्कृति के अन्य लेखकों, विद्वानों और शिक्षकों को जोड़ता है। वह वर्ल्ड रिलीफ नेटवर्क के संस्थापक भी हैं, यह एक प्रकाशन कंपनी है जो वैदिक आध्यात्मिकता को वैश्विक स्तर पर समझाने वाली पुस्तकों और मीडिया को वितरित करने में मदद करती है।

3. भारतीय संस्कृति में श्री नैप के योगदान में भारतीय आध्यात्मिकता, वैदिक परंपराओं और दर्शन पर अब तक सैकड़ों लेख और 55 पुस्तकें हैं जिनमें "वेदों की गुप्त शिक्षाएँ", "वैदिक संस्कृति के वैश्विक अस्तित्व का प्रमाण", "हिंदू धर्म का हृदय", "प्राचीन भारत की वैदिक संस्कृति की उन्नति", "भारत के विरुद्ध अपराध", और कई अन्य शामिल है। ये पुस्तकें भारतीय संस्कृति और इतिहास के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं और दुनिया भर के साधकों के लिए आध्यात्मिक मार्ग प्रदान करती हैं। उन्होंने भगवद गीता, श्रीमद्–भागवतम और उपनिषद जैसे प्राचीन भारतीय शास्त्रों की व्याख्या की है, जिससे उनको अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए सुलभ बनाया जा सका है। अपने व्याख्यानों और लेखन के माध्यम से, स्टीफन नैप भारतीय आध्यात्मिकता के समर्थक रहे हैं और उन्होंने भारतीय वैदिक संस्कृति के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने और इसकी सार्वभौमिक अपील को बढ़ावा देने और यह दिखाने के लिए अथक प्रयास किया है कि हर जगह लोगों के उत्थान के लिए धार्मिक परंपराओं को कैसे लागू किया जाए।

4. श्री नैप भारत और विदेशों में भारतीय मंदिरों और विरासत स्थलों के संरक्षण और सम्मान के समर्थक हैं। इन खजानों को उपेक्षा से बचाने के लिए उनके ये अभियान दुनिया भर के लोगों को भारत के वास्तुशिल्प और आध्यात्मिक चमत्कारों को देखने और सराहने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। भारत की दो दर्जन यात्राओं के बाद, उन्होंने मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम को छोड़कर देश के हर राज्य का दौरा किया है और भारत के पवित्र स्थानों और त्योहारों की 18,000 से अधिक स्लाइडों का संग्रह हासिल किया है। उन्होंने भारतीय आध्यात्मिकता, कला और विरासत की समृद्धि पर विश्व का ध्यान भी आकर्षित किया है। इन प्रयासों ने सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा दिया है, जिसने आध्यात्मिक केंद्र के रूप में भारत की वैश्विक छवि बनाने में योगदान दिया है। उनके प्रयासों ने भारत और बाकी दुनिया के बीच बेहतर समझ को बढ़ावा दिया है। उनकी शिक्षाओं ने युवा भारतीयों और विदेशियों को सनातन धर्म की जड़ों में गहराई से उतरने के लिए प्रेरित किया है, जिससे हिंदू धर्म और योग में रुचि जगाने में मदद मिली है।

5. भारतीय संस्कृति में श्री नैप का योगदान आध्यात्मिक ज्ञान और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति उनकी अटूट भक्ति और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हाल ही में उन्हें हिंदू मंदिर सशक्तिकरण परिषद (एचएमईसी) और विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका से हिंदू समुदाय के लिए आजीवन योगदान के लिए पुरस्कार मिला है।